eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं ऑनलाइन शिक्षा : महत्व एवं उपयोगिता

[1]**डॉ. दीपक**
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, हे.न.ब.रा0 स्ना0 महा0, नैनी– प्रयागराज

Abstract

विश्व तीव्र गति से बदल रहा है और इसके विभिन्न क्षेत्र इस परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र भी इन परिवर्तनों से अछूता नहीं है और पहले से कहीं अधिक तेजी से बदल रहा है। विभिन्न डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के विकास का शैक्षिक दृष्टिकोण और रणनीतियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा हैय और अंततः पारंपरिक शिक्षण विधियों को पीछे की सीट पर रख दिया है। वे प्रतिदिन सीखने की प्रक्रिया में नए आयाम जोड़ रहे हैं। इसलिए, समकालीन समय में शिक्षा एक स्कूल की भौतिक कक्षाओं में पारंपरिक चाक और बात पद्धति तक सीमित नहीं है। यह बहुत आगे बढ़ गई है और अपने दर्शन, दृष्टिकोण और शैक्षणिक रणनीतियों में विकसित हुई है। डिजिटल मीडिया शिक्षा में मल्टी–मीडिया के सबसे महत्त्वपूर्ण और हालिया आयामों में से एक है। इसने शिक्षा को प्रकृति में अधिक सुलभ, न्यायसंगत और गुणात्मक बनाने में मदद की है। यह अब परिवर्तन का वाहक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन आदि जैसे विभिन्न डिजिटल टूल और प्लेटफॉर्म ने सभी उम्र के लोगों को सुविधा प्रदान की है और विभिन्न सामाजिक समूहों में अपने विचारों को साझा करने और वस्तुतः सामाजिकीकरण करने में उनकी मदद की है। ये नवीनतम प्रौद्योगिकियाँ बाजार में रोजगार के अवसरों को भी बदल रही हैं। नौकरियों की प्रकृति में तेजी से बदलाव को ध्यान में रखते हुए, नौकरी उद्योग की भविष्य की माँगों को पूरा करने के लिए नए कौशल और समझ की आवश्यकता होगी। अतः प्रस्तुत शोधपत्र अत्यंत प्रासंगिक है जो इस बात के लिए प्रेरित करता है कि शैक्षणिक संस्थान छात्रों के बीच महत्त्वपूर्ण सोच, नवाचार, सहयोग और समस्या समाधान के लक्षण प्रदान करने के लिए सीखने की प्रक्रिया में डिजिटलीकरण को शामिल करें।

बीज शब्द– सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, शैक्षिक दृष्टिकोण, महत्व एवं उपयोगिता।

introduction

शैक्षिक प्रणाली को बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचारों द्वारा संचालित पारंपरिक शिक्षा की तुलना में नई ऑनलाइन शिक्षा काफी अधिक कुशल है। इसलिए, दुनिया भर में कई संगठन, संस्थान और विश्वविद्यालय विभिन्न सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) को लागू करके ई–लर्निंग कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने और प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से आज के परिदृश्य में सोशल मीडिया की मदद से कोई भी अपने सहयोगियों, शिक्षकों और परिवार के सदस्यों से जुड़ सकता है। शिक्षा में सोशल मीडिया का उपयोग सभी को अधिक मूल्यवान जानकारी प्राप्त करने और शिक्षण समूहों और शैक्षिक संस्थानों से जुड़ने में मदद करता है। एक छात्र के रूप में कोई भी निवास के माध्यम से कक्षाएं ले सकता है और विभिन्न सोशल मीडिया नेटवर्किंग चौनलों के माध्यम से शंकाओं, प्रश्नों पर बात कर सकता है। वेब आधारित मीडिया के माध्यम से छात्र और शिक्षक

अपना कौशल दिखा सकते हैं और खुद को वहां अभिव्यक्त कर सकते हैं। यह छात्रों को तस्वीरें, लेख और वीडियो पोस्ट करके अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति देता है। सोशल मीडिया छात्रों को असाइनमेंट देकर और उन्हें अपना असाइनमेंट करने के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से डेटा इकट्ठा करने की अनुमति देकर उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है। सोशल मीडिया के बारे में अविश्वसनीय बात यह है कि जब कोई किसी विशेष क्षेत्र या विषय के विशेषज्ञ का अनुसरण करना शुरू करता है, तो यह अधिक सीखने और लाभकारी सामग्री प्राप्त करने में मदद करता है। गुणवत्तापूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए कोई भी फेसबुक, व्हाट्सएप आदि पर विभिन्न शैक्षिक समूहों में शामिल हो सकता है। सोशल मीडिया पर बिना समय गंवाए पल पल की खबर मिल सकती है। सोशल मीडिया का उपयोग एक मंच के रूप में भी किया जा सकता है। कोई भी अपने शैक्षिक वीडियो को ल्वनज्नइमए थ्ंबमइववाए प्देजंहतंउ पर पूरे देश के छात्रों के लिए स्थानांतरित कर सकता है। लर्निंग फैकल्टी फेसबुक, गूगल प्लस ग्रुप और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया नेटवर्क के जरिए कॉलेज के छात्रों के साथ जुड़ सकते हैं। इन चौनलों का उपयोग कैंपस समाचार बोलने, बुलेटिन बनाने और कॉलेज के छात्रों को लाभकारी जानकारी प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। यह विश्वविद्यालय और कॉलेज के छात्रों के बीच जुड़ाव बनाता है जो क्रू इंटरैक्शन के माध्यम से छात्रों की कई समस्याओं को संभालने में मदद करता है।

डिजिटल शिक्षा एवं डिजिटल मीडिया – सोशल मीडिया की अवधारणा

डिजिटल शिक्षा एक विकसित क्षेत्र है जो मुख्य रूप से डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से संबंधित है। यह विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन पाठ संसाधन और छात्रों को असाइनमेंट जमा करने आडियो–विडियो तथा मल्टीमिडिया संसाधन की उपलब्धता आदि से संबंधित है। निरंतर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और इंटरनेट (डिजिटल संसाधनों की असीमित आपूर्ति के साथ) के क्षेत्र में उन्नति ने कई मोड़ बनाए हैं। स्पष्ट है कि डिजिटल शिक्षा एक तकनीक या सीखने की विधि है जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल उपकरण शामिल हैं। यह एक नया और व्यापक तकनीकी क्षेत्र है जो किसी भी छात्र को ज्ञान प्राप्त करने और देश भर के किसी भी कोने से जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

शिक्षा में डिजिटल मीडिया का उपयोग दिन प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। यह शिक्षा के पारंपरिक रूपों को पीछे छोड़ रहा है। डिजिटल मीडिया संचार विधियाँ संचार के मुख्य रूप में पुस्तकों के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं और शिक्षार्थियों के बीच व्यापक ज्ञान निर्माण के लिए विविध मल्टी–मीडिया अनुभव प्रदान करती हैं।

डिजिटल मीडिया

डिजिटल मीडिया नवीनतम प्रगति है और मल्टी–मीडिया के रूपों में से एक है। गार्डिनर (2002) के अनुसार मीडिया के उपयोग का विस्तार स्मृति और भाषण से पढ़ने, लिखने से टेलीफोन और रेडियो से इंटरनेट, मल्टीमीडिया तक हो गया है। उन्होंने चार पीढ़ियों के आसपास मीडिया के इतिहास को व्यवस्थित किया है:

पहली पीढ़ी: स्मृति और भाषण

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

दूसरी पीढ़ीः प्रिंट

तीसरी पीढ़ीः टेलीफोन और टेलीविजन

चौथी पीढ़ीः मल्टीमीडिया और इंटरनेट

डिजिटल मीडिया कई इंटरैक्टिव डिजिटल एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, टूल, डिवाइस, गेम, क्विज और सोशल प्लेटफॉर्म का उपयोग है। इसका उपयोग शिक्षा में विभिन्न रूपों जैसे ईमेल, संदेश, वीडियो, वेबसाइट, फोटो और स्लाइड शो, शिक्षा को सभी शिक्षार्थियों के लिए अधिक सुलभ, न्यायसंगत और गुणात्मक बनाने के लिए किया जा सकता है। इस तरह डिजिटल मीडिया में सभी प्रकार के मीडिया शामिल हैं जो इलेक्ट्रॉनिक रूप से वितरित किए जाते हैं, जिसमें पाठ, चित्र, ऑडियो, वीडियो और इंटरैक्टिव सामग्री शामिल है। डिजिटल मीडिया को विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे वेबसाइटों, सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप और नेटफ्लिक्स और हुलु जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में, डिजिटल मीडिया दूरस्थ शिक्षा जैसे ऑनलाइन कक्षाएं, ई–लर्निंग मॉड्यूल और वेबिनार प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। डिजिटल मीडिया शैक्षिक सामग्री जैसे लेख, वीडियो, ई–पुस्तकें और पॉडकास्ट तक भी पहुंच प्रदान करता है, जिससे इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सीखना अधिक सुविधाजनक और सुलभ हो जाता है।

सोशल मीडिया

डिक्शनरी की परिभाषा के अनुसार, ''सोशल मीडिया ऐसी वेबसाइटें और एप्लिकेशन हैं जो उपयोगकर्ताओं को सामग्री बनाने और साझा करने या सोशल नेटवर्किंग में भाग लेने में सक्षम बनाती हैं।''

सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को संदर्भित करता है जो व्यक्तियों को सूचना, संदेश, चित्र, वीडियो और अन्य मल्टीमीडिया सामग्री साझा करने के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ने और संवाद करने में सक्षम बनाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और यूट्यूब जैसी लोकप्रिय वेबसाइटें और ऐप शामिल हैं। सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का एक प्रमुख हिस्सा बन गया है, जो हमें मित्रों और परिवार के साथ जुड़े रहने के साथ–साथ दुनिया भर की वर्तमान घटनाओं और समाचारों से अद्यतित रहने में सक्षम बनाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी व्यवसायों के लिए मूल्यवान संसाधन बन गए हैं, जो उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं की मार्केटिंग करने और ग्राहकों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में, सोशल मीडिया छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। शिक्षक शैक्षिक सामग्री साझा करने, चर्चा को बढ़ावा देने और छात्रों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। छात्र सोशल मीडिया का उपयोग अपने साथियों से जुड़ने, अध्ययन समूह बनाने और संसाधनों तक पहुँचने के लिए भी कर सकते हैं।

अंत में, सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया ने संचार, सूचना साझा करने और शैक्षिक संसाधनों तक पहुँचने के नए तरीके प्रदान करके शिक्षा पद्धति को डिजिटल शिक्षा के रूप में परिवर्धित दिया है। जैसे–जैसे तकनीक का विकास जारी है, हम उम्मीद कर सकते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया शिक्षा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा में सोशल मीडिया का महत्व

आज, हम शिक्षा संस्थानों को इन विकासों को अपनी प्रणालियों में ढालते हुए और छात्र जीवन को बेहतर बनाने के लिए समूह संसाधनों और तंत्रों पर निर्भर होते हुए देख सकते हैं। शिक्षण समूहों और शिक्षा को सुविधाजनक बनाने वाली अन्य शैक्षिक प्रणालियों से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों, शिक्षकों और माता–पिता को अधिक उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है,

सामाजिक नेटवर्क उपकरण सीखने के तरीकों में सुधार करने के लिए छात्रों और संस्थानों को अनेक अवसर प्रदान करते हैं। छात्र यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन ट्यूटोरियल, स्काइप के माध्यम से विदेशों में विश्वविद्यालयों द्वारा वितरित ऑनलाइन पाठ्यक्रम और सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से साझा किए जाने वाले संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला से लाभ उठा सकते हैं।

अध्ययन के उद्देश्यों के लिए विभिन्न विषयों या मुद्दों पर एनालिटिक्स और अंतर्दृष्टि जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से मूल्यवान ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। एक शैक्षिक संस्थान के रूप में, कई संभावित सामाजिक प्लेटफार्मों में सक्रिय होना महत्वपूर्ण है, इससे बेहतर छात्र प्रशिक्षण रणनीति बनाने और छात्र संस्कृति को आकार देने में मदद मिलती है।

शिक्षा में सोशल मीडिया का उपयोग करने की सबसे अच्छी बात यह है कि आप जल्द ही जान जाते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों के विशेषज्ञ कौन हैं। जब आप इन विशेषज्ञों का अनुसरण करना शुरू करते हैं तो आप अधिक सीखते हैं और उनसे उपयोगी सामग्री प्राप्त करते हैं, इससे आपको अच्छे परिणाम प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। सोशल मीडिया में विभिन्न विषयों पर आपके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने की क्षमता है और ज्ञान में वृद्धि करने वाली, तत्काल नई सामग्री प्रदान करता है। आपके पास उन विषयों पर उत्तर प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों का चयन करने का अवसर मिलता है, जिनसे आपको सहायता मिल सकती है। कॉलेजों में फेसबुक, गूगल प्लस ग्रुप और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से छात्रों को जोड़ा जा सकता है। इन चौनलों का उपयोग कैंपस समाचारों को संप्रेषित करने, घोषणाएं करने और छात्रों को उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। यह कॉलेज और छात्रों के बीच जुड़ाव बनाता है जो समूह बातचीत के माध्यम से छात्रों के कई मुद्दों से निपटने में मदद करता है।

संस्थाएं सहायक और सकारात्मक पोस्ट साझा कर सकती हैं यह सूचना उन सभी छात्रों तक पहुंचती हैं जो नेटवर्क और पेज से जुड़े हैं। आप छात्रों और ऑनलाइन चर्चाओं को शामिल करने के लिए सोशल मीडिया पर हैशटैग शुरू कर सकते हैं जो मददगार हैं। सोशल मीडिया ट्रेंड में एक वीडियो एक प्रमुख उपकरण है जो प्रभावी है और आप इसका प्रयोग उपयोगी वीडियो साझा करने के लिए कर सकते हैं जो छात्रों को प्रेरित करते हैं तथा उनके पाठ्यक्रम के विषयों में उनकी मदद करते हैं।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

यूट्यूब, फेसबुक या इंस्टाग्राम लाइव वीडियो जैसे सामाजिक माध्यमों से छात्रों और संस्थान के बीच जुड़ाव बनाए रखा जा सकता है। शिक्षा प्रक्रिया में सोशल मीडिया के लाभों को शिक्षक–छात्र संबंधों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उच्च स्तर पर भी सोशल नेटवर्किंग के उपयोग से कई अन्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्रिंसिपल या प्रशासक सोशल मीडिया को एकीकृत करने का एक नया तरीका खोज सकते हैं। जैसे सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से स्कूल समाचार साझा करना, माता–पिता के साथ ऑनलाइन बैठक करना या यहां तक कि विभिन्न योजनाओं एवं समस्याओं पर चर्चा भी कर सकते है।

सोशल मीडिया संचार का एकमात्र माध्यम बन सकता है क्योंकि हम तेजी से भागती जिंदगी जी रहे हैं, माता–पिता आमतौर पर काम में व्यस्त रहते हैं और स्कूल की बैठकों में शामिल नहीं हो सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें घटनाओं के संपर्क में नहीं रहना चाहिए या कभी–कभी अपने बच्चों की जांच करने में सक्षम नहीं होना चाहिए।

सोशल मीडिया दर्शकों और विषय की निगरानी के उपकरण प्रदान करता है जो उपयोगी होते हैं और यह डेटा निकालने के लिए सबसे अच्छे प्लेटफार्मों में से एक है। आप फेसबुक या इंस्टाग्राम पोल बनाकर यह पता लगा सकते हैं कि अधिकांश लोग किसी विशेष विषय के बारे में कैसा महसूस करते हैं, या गूगल फॉर्म या सर्वे मंकी का उपयोग करके सर्वेक्षण करते हैं, या फनवतं जैसे फोरम का उपयोग करके विशेषज्ञ विशिष्ट मुद्दों पर कैसे विचार करते हैं और सलाह देते हैं।

इससे छात्रों को शोध के लिए उपयोगी सामग्री संकलित करने और तैयार करने में मदद मिल सकती है। चाहे छात्र किसी असाइनमेंट पर काम कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों या किसी विषय पर अधिक जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हों, कुछ बेहतरीन जानकारी और परिणाम सोशल मीडिया से निकाले जा सकते हैं। स्लाइडशेयर ऐसे डेटा की प्रस्तुतिकरण करने में मदद कर सकता है। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एक नेटवर्किंग सॉफ्टवेयर है जो शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है और संस्थानों को अन्य प्रशासनिक गतिविधियाँ प्रदान करता है। एलएमएस में सोशल मीडिया सीखने में छात्रों की सहायता के लिए तत्काल चैट फंक्शंस, वीडियो, जानकारी साझा करने के लिए फोरम और अन्य पाठ संसाधन शामिल हो सकते हैं। एलएमएस प्रणाली छात्र भागीदारी को मजबूत करती है और टीम परियोजनाओं को सहयोग करना आसान बनाती है। शिक्षा योजनाओं में सुधार के लिए छात्र और सीखने से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए यह प्रणाली मौजूद है। सिस्टम के माध्यम से सर्वोत्तम पहुंच और प्रभाव के लिए सोशल मीडिया एकीकरण के साथ लोकप्रिय शिक्षण प्रबंधन प्रणालियों का उपयोग करना संस्थानों के लिए फायदेमंद है । अन्य सामाजिक शिक्षण लाभ लाइव कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम, वेबिनार क्षमता, शेयर समूह समीक्षाएं, ब्लॉग और बहुत कुछ हैं।

शिक्षक अपने पाठ्य सामग्री में अभिवृद्धि एव नए संसाधन प्राप्त करने के लिए एक माध्यम के रूप में सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, मुख्यतः विशेष अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए गतिविधियाँ, बुलेटिन बोर्ड के विचार, नए ऐप पर जानकारी कुछ विषयों के साथ–साथ नेटवर्क का अनुसरण करने के लिए और यह जानने के लिए कि दुनिया के अन्य स्कूलों में क्या हो रहा है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

ई–लर्निंग में सोशल मीडिया की उपयोगिता

लगभग हर आधुनिक शिक्षार्थी की आज डिजिटल उपस्थिति है। ये शिक्षार्थी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अंदर और बाहर से अत्यधिक परिचित हैं और ऑनलाइन जानकारी लेने के अभ्यस्त हैं। इसलिए, सोशल मीडिया को अपनाने और शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं में इसकी विशेषताओं को शामिल करने से शिक्षार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ई–लर्निंग में सोशल मीडिया का उपयोग करना आज अत्यंत महत्वपूर्ण क्यों हो गया है, इसके कुछ प्रमुख कारण यहां दिए गए हैं:–

1. यह शिक्षार्थियों को समुदाय और अपनेपन की भावना देता है

समान विचारधारा वाले लोगों के साथ जुड़े रहने से आराम और अपनेपन का एहसास होता है। फेसबुक समूह बनाने से शिक्षार्थियों को अपने साथियों को जानने और उनके विचारों और अपने विचारों को साझा करने में मदद करने के लिए एक समुदाय का निर्माण होता है। यह पाठ्यक्रम सुविधाकर्ता को आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने और पाठ्यक्रम के बारे में शिक्षार्थियों के किसी भी प्रश्न का उत्तर देने में भी मदद करता है।

ऑनलाइन समुदायों और अध्ययन समूहों की उपस्थिति शिक्षार्थियों को आवश्यक सहायता प्रदान करती है और यह सुनिश्चित करती है कि वे प्रोत्साहित और प्रेरित महसूस करें। सोशल मीडिया शिक्षार्थियों के लिए समर्थन का एक मजबूत नेटवर्क और दूसरों के साथ एक स्वस्थ बातचीत बनाए रखना संभव बनाकर इन सभी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटता है।

2. सोशल मीडिया लोगों से संपर्क करने या महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का सबसे तेज तरीका है

ई–लर्निंग में सोशल मीडिया का लाभ उठाने का एक और महत्वपूर्ण कारण यह है कि यह आपको लोगों से संपर्क करने का एक त्वरित और आसान तरीका प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, यदि आप आगामी पाठ के बारे में कोई अपडेट साझा करना चाहते हैं, तो आप उसके बारे में एक फेसबुक या इंस्टाग्राम कहानी बना सकते हैं। और ठीक ऐसे ही, यह मिनटों में आपके सभी शिक्षार्थियों तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा, फेसबुक लाइव और इंस्टाग्राम लाइव प्रशिक्षकों को वास्तविक समय में शिक्षार्थियों के साथ सामग्री, शैक्षिक वीडियो और सामग्री साझा करने की अनुमति देते हैं, साथ ही प्रश्नों का तुरंत जवाब देते हैं।

3. यह आपके दृष्टिकोण को अधिक छात्र–केंद्रित बनाने में आपकी मदद कर सकता है

सोशल मीडिया पर बातचीत लचीली होती है। शिक्षार्थी प्रश्न पूछ सकते हैं और पाठ्यक्रम लेने वाले प्रशिक्षकों और अन्य शिक्षार्थियों दोनों के लिए चुनौतियाँ पेश कर सकते हैं। इसलिए, जो कोई भी उत्तर जानता है, वह इसमें कूद सकता है और प्रश्न का उत्तर दे सकता है या एक अनूठा विचार प्रस्तुत कर सकता है। कुछ उदाहरणों में, एक फेसबुक समूह में बातचीत करने की क्षमता लाइव प्रशिक्षक होने से भी बेहतर है। कक्षा सेटिंग में, सवालों के जवाब देने के लिए केवल एक निश्चित समय आवंटित किया जाता है, लेकिन फेसबुक पर सवाल पूछने से अधिक लचीलापन मिलता है और ऐसी समय सीमा नहीं होती है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

4. सोशल मीडिया आसानी से उपलब्ध है

सोशल मीडिया ई–लर्निंग के लिए फायदेमंद क्यों हो सकता है, इसका एक और कारण यह है कि यह स्मार्टफोन, पीसी और टैबलेट पर आसानी से उपलब्ध है, जिससे प्रशिक्षकों को अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देने में आसानी होती है और इसके लिए लॉग इन करने की आवश्यकता नहीं होती है। विशिष्ट मंच। उन्हें केवल सूचनाएं सेट अप करने की आवश्यकता है। यह शिक्षार्थियों के लिए भी सत्य है क्योंकि वे पाठ्यक्रम में शामिल सभी लोगों की टिप्पणियों को देख सकते हैं और अन्य लोगों के विचारों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। यह शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों के बीच समग्र संपर्क में सुधार करता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

वर्तमान में, हमारे पास विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं। जबकि इंस्टाग्राम ज्यादातर तस्वीरें और लघु वीडियो साझा करने पर केंद्रित है, ट्विटर उपयोगकर्ताओं को सिर्फ 140 अक्षरों में अपने विचार साझा करने की अनुमति देता है। यूट्यूब एक वीडियो–केंद्रित प्लेटफॉर्म है, जबकि फेसबुक लोगों को एक साथ लाने और उन्हें अपने जानने वाले अन्य लोगों के साथ निर्बाध रूप से जुड़ने की अनुमति देने के लिए समर्पित है।

इसलिए, इससे पहले कि आप ई–लर्निंग के लिए इन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शुरू करें, उनके मुख्य कार्यों को समझना महत्वपूर्ण है। यह आपको अपने शिक्षार्थियों को महान मूल्य प्रदान करने में मदद करेगा और एक निर्देशक डिजाइनर और पाठ्यक्रम सुविधाकर्ता के रूप में अपना समय बचाएगा।

सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ई–लर्निंग में उनका लाभ उठाने के सर्वोत्तम तरीकों पर नजर डालें:

1. फेसबुक

फेसबुक दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। इसके एक अरब से अधिक दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। ई–लर्निंग को बढ़ाने के लिए आप फेसबुक का उपयोग करने के कुछ बेहतरीन तरीके यहां दे रहे हैं:

आप अपनी कक्षाओं के लिए एक खुला या बंद फेसबुक समूह बना सकते हैं और समूह के सदस्यों के साथ पाठ्यक्रम सामग्री, असाइनमेंट, क्विज इत्यादि साझा कर सकते हैं।

यदि आप एक समूह नहीं बनाना चाहते हैं, तो आप शैक्षिक सामग्री साझा करने के लिए एक पाठ्यक्रम पृष्ठ बना सकते हैं। आप अपने फेसबुक पेज पर अपने आगामी पाठ्यक्रमों का प्रचार और विपणन भी कर सकते हैं।

शिक्षार्थी आपसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने और प्रश्न या स्पष्टीकरण पूछने के लिए फेसबुक मैसेंजर का उपयोग कर सकते हैं।

फेसबुक आपको वीडियो सामग्री साझा करने की अनुमति देता है ताकि आप शिक्षार्थियों के साथ छोटे आकार के और आकर्षक वीडियो साझा कर सकें।

आप शिक्षार्थियों को सम्मोहक प्रश्न, लेख और चित्र साझा करके समूह चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

फेसबुक पर ई–लर्निंग को और अधिक रोचक बनाने के लिए आप फेसबुक प्रतियोगिताएँ आयोजित कर सकते हैं।

2. इंस्टाग्राम

सोशल मीडिया की दुनिया में इंस्टाग्राम एक और कूल किड है। मंच अपनी लोकप्रियता में भारी वृद्धि का अनुभव कर रहा है। लोग, विशेष रूप से युवा पीढ़ी, प्देजंहतंउ और उसके द्वारा प्रदान की जाने वाली हर चीज को पसंद करते हैं। ई–लर्निंग में इंस्टाग्राम का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए यहां कुछ टिप्स और ट्रिक्स दिए गए हैं।

अगर आप किसी तरह के क्राफ्ट जैसे फिल्ममेकिंग, पेंटिंग, वीडियो एडिटिंग, ग्राफिक्स डिजाइन आदि सिखाते हैं तो आप इसके लिए इंस्टाग्राम पेज बना सकते हैं। वहां, आप अपने शिक्षार्थियों की प्रगति को पोस्ट, कहानियों और रीलों के माध्यम से साझा कर सकते हैं। यह उनकी प्रतिभा दिखाने और उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करने का एक शानदार तरीका है।

आप कोर्स से संबंधित अपडेट और महत्वपूर्ण घोषणाएं साझा करने के लिए अपने इंस्टाग्राम पेज का भी उपयोग कर सकते हैं।

इसके अलावा, आप अपने शिक्षार्थियों के लिए इंस्टाग्राम गिवअवे कर सकते हैं, मजेदार चुनौतियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सकते हैं और दिलचस्प तथ्यों और कहानियों को साझा कर सकते हैं।

3. यूट्यूब

यूट्यूब अधिकांश ऑनलाइन शिक्षकों का पसंदीदा सामाजिक नेटवर्क है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह उन्हें उच्च–गुणवत्ता वाले वीडियो बनाने और शिक्षार्थियों के साथ जल्दी और आसानी से साझा करने की अनुमति देता है। इसलिए, यदि आप अपने शिक्षार्थियों के साथ व्यापक पाठ्यक्रम वीडियो साझा करना चाहते हैं, या यदि आप पूरक वीडियो सामग्री साझा करना चाहते हैं, तो यूट्यूब आपकी पहली पसंद होनी चाहिए। यूट्यूब के बारे में एक अच्छी बात यह है कि यह आपको लगभग कहीं भी वीडियो पोस्ट करने की सुविधा देता है। आप उन्हें पिन कर सकते हैं, उन्हें फेसबुक या इंस्टाग्राम पर साझा कर सकते हैं या उन्हें ट्वीट भी कर सकते हैं। आपके शिक्षार्थी भी ऐसा ही कर सकते हैं। इसलिए, आप उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं कि वे अपने विषय पर एक प्रस्तुति रिकॉर्ड करें और इसे आपके साथ साझा करें। फिर आप उनके वीडियो अपने यूट्यूब चौनल पर पोस्ट कर सकते हैं। इससे उन्हें सामग्री की समझ बढ़ाने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

4. लिंक्डइन

लिंक्डइन पूरी तरह से प्रोफेशनल सोशल नेटवर्किंग साइट है। लोग आमतौर पर अपने पालतू जानवरों की तस्वीरें साझा करने या व्यक्तिगत बातचीत करने के बजाय अपने करियर से संबंधित और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए लिंक्डइन का उपयोग करते हैं, जो लिंक्डइन को ई–लर्निंग के लिए

एक बढ़िया विकल्प बनाता है। आप अपने शिक्षार्थियों को लिंक्डइन पर जो कुछ सीख रहे हैं उसके बारे में साप्ताहिक लेख और पोस्ट प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। उन्हें अपने लेखों पर प्राप्त फीडबैक और टिप्पणियों को कक्षा के साथ साझा करने के लिए कहें। लिंक्डइन में ग्रुपस का फीचर भी है। ये समूह एक ही उद्योग के पेशेवरों को एक साथ आने और अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने, मार्गदर्शन प्राप्त करने और सार्थक संबंध विकसित करने की अनुमति देते हैं। आप विशेष रूप से अपने पाठ्यक्रम के लिए एक ई–लर्निंग समूह बना सकते हैं और शिक्षार्थियों के साथ नियमित रूप से अपने लेख, वीडियो या पूरक सामग्री साझा कर सकते हैं।

5. पिनटेरेस्ट

पिनटेरेस्ट एक सामाजिक नेटवर्क है जो पूरी तरह से चित्रों को समर्पित है। सामग्री को व्यवस्थित करने के लिए इस मंच की एक अनूठी विशेषता ''बोर्ड'' है। उपयोगकर्ता किसी थीम के चारों ओर बोर्ड बना सकते हैं और फिर उससे संबंधित छवियों को ''पिन'' कर सकते हैं। इन बोर्डों को दूसरों के साथ आसानी से साझा किया जा सकता है। इसलिए, यदि आप अपने शिक्षार्थियों के लिए आकर्षक इन्फोग्राफिक्स और विजन बोर्ड बनाना चाहते हैं, तो पिनटेरेस्ट आपके लिए एकदम सही होगा। अपने पाठ्यक्रम या अपने पाठ्यक्रम के किसी विशेष विषय के लिए समर्पित एक पिनटेरेस्ट बोर्ड बनाएं, और उसमें प्रासंगिक चित्र, ग्राफ, चार्ट या काटने के आकार के इन्फोग्राफिक्स जोड़ें। देखने में आकर्षक प्रारूप में मूल्यवान जानकारी प्रदान करने के अलावा, आप एक विषय से संबंधित सभी सामग्री को एक ही स्थान पर रखने में भी सक्षम होंगे।

6. ई–मेल

यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें इलेक्ट्रानिक नेटवर्क तथा उसके बाहर विभिन्न प्रकार के लिखित सन्देशों का आदान–प्रदान किया जाता है। यदि हमें किसी व्यक्ति को इण्टरनेट की सहायता से मेल भेजना है तो हमें उस व्यक्ति का ई–मेल पता होना चाहिए तभी हम उसे ई–मेल कर सकते हैं। हॉटमेल, याहू, रेडिफ मेल, जीमेल आदि अनेक ऐसे इण्टरनेट सर्वर हैं जो मुफ्त मेल भेजने तथा अपना एकाउन्ट बनाने की सुविधा देते हैं।

7. गूगल टॉक

गूगल टॉक गूगल की इण्टरनेट चौटिंग सेवा है। यह गूगल के विभिन्न प्रकल्पों (च्तवरमबजे) में उपलब्ध है जिनमें जी–मेल भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इसके लिए गूगल टॉक नाम से एक डेस्कटॉप क्लाइंट (इंस्टैंट मैसेंजर) तथा गूगल टॉक गैजट नाम से एक वेब क्लाइंट भी उपलब्ध है। मोबाइल फोन के लिए जीटॉक मोबाइल नाम से एक थर्ड पार्टी क्लाइंट हैं। गूगल टॉक, गूगल चौट और गूगल मैसेंजिंग के नाम से भी जाना जाता है।

गूगल टॉक का उपयोग केवल जीमेल यूजर्स ही कर सकते हैं और जो भी चौटिंग या बातचीत की जाती है वह अपने आप ही जी–मेल एकाउन्ट में सुरक्षित हो जाती है परन्तु अधिक समय होने पर बातचीत या चौटिंग को डायरेक्ट डाऊनलोड करना सम्भव नहीं होता परन्तु 2011 में नया फीचर आने से IMAP की सहायता से चौटिंग को डाउनलोड किया जाने लगा। अतः गूगल टॉक अथवा जी गूगल, गूगल चौट हेतु एक डेस्कटॉप चैट क्लाइंट है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 06, June 2023

8. ऑफलाइन मैसेज

31 अक्टूबर 2006 में गूगल ने गूगल टॉक के ऑफलाइन मैसेज से अवगत कराया। ये उपभोगकर्ताओं को अपने संदेश भेजने की अनुमति देता है जो उनके कन्टैक्ट लिस्ट में है। यदि संदेश प्राप्त करने वाला व्यक्ति ऑनलाइन नहीं है फिर भी वह संदेश प्राप्त कर सकता है। वह संदेश होल्ड में रहेगा जब उपभोगकर्ता ऑनलाइन होता है तब वह उन प्राप्त संदेशों को पढ़ सकता है। (इसी प्रकार की सुविधा आजकल व्हाट्सएप में भी उपलब्ध है) उन संदेशों का उत्तर भी दे सकता है कहने का तात्पर्य है कि यदि दोनों उपभोगकर्ता ऑनलाइन है तो तुरन्त संदेशों को प्राप्त कर सकते हैं भेज सकते हैं और यदि एक व्यक्ति (एक उपभोगकर्ता) ऑनलाइन नहीं है तो ऐसी स्थिति में उसके जीमेल एकाउंट की आई डी पर संदेश जाएंगे जो कि होल्ड में रहेंगे और ऑनलाइन आने पर वह संदेश उस व्यक्ति तक पहुँच जाएगा अतः ऑफलाइन में भी संदेश भेजने की सुविधा प्राप्त होती है।

9. स्काइप

इण्टरनेट कॉलिंग में स्काइप तकनीकी का नाम प्रमुख रूप से जाना जाता है। स्काइप एक ऐसा कम्प्यूटर प्रोग्राम है जो इण्टरनेट पर किसी व्यक्ति, जो कि स्काइप का प्रयोग कर रहा है, को निःशुल्क वॉइस कॉल करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह निःशुल्क है इसे डाउनलोड करना एवं प्रयोग करना बहुत आसान है। इससे मोबाइल फोन और लैण्डलाइन फोन की तरह बातचीत की जा सकती है। बातचीत के समय आप एक दूसरे को देख भी सकते हैं। आज स्काइप के माध्यम से बातचीत करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक बार स्काइप सॉफ्टवेयर को डाउनलोड, रजिस्ट्रेशन और इन्स्टाल कर लेते हैं तो स्काइप का प्रयोग करने के लिए अपने कम्प्यूटर में एक हैण्डसेट, स्पीकर्स अथवा यू.एस.बी. फोन जोड़ना होगा। इसे हम अपने मोबाइल पर भी डाउनलोड कर सकते हैं।

10. वेबिनार

वेबिनार को तकनीकी भाषा में अम्ब्रेला टर्म के नाम से भी जाना जाता है। इसके प्रयोग से इण्टरनेट द्वारा विभिन्न विषयों पर बहुभाषीय व्यक्तियों को एक साथ एक ही समय में और अलग–अलग स्थानों पर भी अपने विचारों का एक–दूसरे को आदान–प्रदान किया जाता है। अतः वेबिनार शब्द का प्रयोग व्याख्यान, कार्यशाला एवं वेब सेमिनार के एक समूह के रूप में किया जाता है। वेब शब्द को वेबकास्ट के नाम से भी जाना जाता है। जिसका अर्थ है रेडियो एवं टीवी पर दिखाए जाने वाले प्रसारण से है। भौगोलिक दृष्टि से यह विभिन्न स्थानों पर बैठे विशेषज्ञों को एक–दूसरे की आवाज, व्याख्यान, एवं ऑडियो–वीडियो चैट आसानी से की जा सकती है और घर बैठे ही विभिन्न समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।

वेबिनार द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान एवं विषय विशेषज्ञों की प्रजेन्टेशन आदि को देखा या सुना जा सकता है एवं अपनी किसी भी समस्या एवं जिज्ञासा के अनुरूप पुनः विषय–विशेषज्ञों से वार्तालाप किया जा सकता है। अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए जा सकते हैं। अतः वेब कान्फ्रेन्सिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से विभिन्न प्रतिभागी एक साथ सेमिनार में भाग ले सकते हैं।

11. ब्लॉग

यह एक प्रकार के व्यक्तिगत वेबसाइट होते हैं जिन्हें डायरी की तरह लिखा जाता है। प्रत्येक ब्लॉग या चिट्ठे में कुछ लेख, चित्र एवं बाहरी कड़ियाँ (स्पदा) होती हैं। इनके विषय लेख– सामान्य व विशेष दोनों प्रकार के होते हैं। ब्लॉग या चिट्ठा लिखने वाले को ब्लॉगर (चिट्ठाकार) कहते हैं। यह कार्य चिट्ठाकारी या चिट्ठाकारिता (ठसवहहपदह) कहा जाता है। कई ब्लॉग किसी विशेष विषय से सम्बन्धित होते हैं। ये ब्लॉग उस विषय से सम्बन्धित समाचार, जानकारी, विचारों आदि से परिचित करवाते हैं। एक ब्लॉग में उस विषय से जुड़े पाठ, चित्र, अन्य लिंक्स मिल सकते हैं। ब्लॉग पाठकों को अपनी टिप्पणियाँ करने की क्षमता देकर उन्हें संवादात्मक प्रारूप प्रदान करता है। अधिकांश ब्लॉग मुख्य रूप से पाठ रूप में होते हैं। कुछ ब्लॉग कलाओं (।तज ठसवहे), छाया चित्रों (चैवजवहतंचील ठसवहे). वीडियो (टपकमव ठसवहे), संगीत (डच्3 ठसवहे) आदि पर केन्द्रित होते हैं।

अंग्रेजी शब्द ब्लॉग वेब लॉग का सूक्ष्म रूप है। प्रारम्भ में ब्लॉगर द्वारा इसे वी ब्लॉग की तरह प्रयोग किया गया था, बाद में इसे ब्लॉग के रूप में प्रयोग किया जाने लगा। हिन्दी का पहला 'चिट्ठा' शब्द चिट्ठाकार आलोक कुमार द्वारा प्रतिपादित किया गया था जो कि अब इण्टरनेट पर हिन्दी दुनिया में प्रचलित हो गया है। यह शब्द अब गूगल द्वारा भी अपने शब्दकोश में शामिल किया जा चुका है। वर्तमान समय में लेखन का थोड़ी सी भी रुचि रखने वाला व्यक्ति अपना ब्लॉग बना सकता है।

उपरोक्त के अतिरिक्त ऐसे बहुत से ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्म है जो विद्यार्थियों और हर जिज्ञासु को विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी प्रदान करवाते हैं। बायजूस, अनएकेडमी स्टडी, वेदांतु, वाइट हैट जूनियर, मेरीटनेशन, एक्स्ट्रामार्क्स, माय सीबीएसई गाइड, टॉपर, स्टडी आईक्यू , टेस्टबुक आदि ऐसे ऑनलाइन प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से घर बैठे ही शिक्षा संबंधी किसी विषय ध कांसेप्ट को समझा जा सकता है। दुसरे शब्दों में कहें तो ये एक प्रकार का ऑनलाइन शिक्षण मंच है जहां शैक्षिक सामग्री और संसाधन उपलब्ध हैं। और इसी एक मंच के माध्यम से विद्यार्थी व्याख्यान, संसाधन, अन्य छात्रों के साथ मिलने और चैट करने के अवसर आदि को एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकता है।

निष्कर्ष–

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन शिक्षा ने हमारे संवाद करने और सीखने के तरीके को काफी हद तक बदल दिया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने व्यक्तियों और व्यवसायों को एक दूसरे के साथ जुड़ने, विचारों को साझा करने और नेटवर्क बनाने के लिए एक गतिशील और इंटरैक्टिव तरीका प्रदान किया है। इस बीच, ऑनलाइन शिक्षा ने छात्रों को दुनिया में कहीं से भी सीखने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान किया है, जिससे शिक्षा अधिक समावेशी और सुलभ हो गई है।

शिक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भौतिक कक्षा से परे विचारों को साझा करने और सहयोग करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने छात्रों के लिए अध्ययन समूहों के लिए अपने साथियों के साथ जुड़ना और अध्ययन के क्षेत्र में पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाना भी आसान बना दिया है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने प्रशिक्षकों को अपने काम को प्रदर्शित करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया है।

ऑनलाइन शिक्षा ने दुनिया भर के छात्रों के लिए शिक्षा को और अधिक सुलभ बना दिया है, भले ही उनका स्थान, कार्य अनुसूची या भौतिक सीमाएं कुछ भी हों। ऑनलाइन कक्षाएं और ई–लर्निंग मॉड्यूल छात्रों को अपनी गति और अपने समय पर सीखने की अनुमति देते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षकों को अधिक गहन और इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव के लिए आभासी और संवर्धित वास्तविकता जैसी उन्नत शिक्षण तकनीकों का उपयोग करने की अनुमति भी दी है।

अंत में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन शिक्षा ने हमारे संवाद करने और सीखने के तरीके में क्रांति ला दी है। उन्होंने शिक्षार्थियों और शिक्षकों के लिए जुड़ने और सहयोग करने के नए अवसर पैदा किए हैं, और उन्होंने शिक्षा को अधिक समावेशी और सभी के लिए सुलभ बनाया है। जैसे–जैसे तकनीक का विकास जारी है, सोशल मीडिया और ऑनलाइन शिक्षा शिक्षा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सन्दर्भ श्रोत

1. https://www.jbcnschool.edu.in/blog/social-media-in-education/
2. https://elearningindustry.com/social-media-for-elearning
3. https://www.devedunotes.com/2020/11/essay-on-online-education.html?m=1
4. https://sarkarijobfindofficial.com/social-media-kya-hai/
5. "Introducing Video on Instagram". Instagram. 2013-06-20.
6. https://www.mpgkpdf.com/2020/06/social-media-ke-prakar.html?m=1
7. Livesay, Kari (2022-04-13). "Instagram Video Length Guide (An Easy Cheat Sheet)". Animoto. Retrieved 2022-08-29.
8. Alexander, Julia (29 November 2018). "YouTube is rolling out its Instagram-like Stories feature to more creators". The Verge.
9. https://www.internetmatters.org/hi/resources/social-media-advice-hub/social-media-benefits/
10. https://demokraticfront.com/2022/06/23/importance-of-social-media-in-education/
11. https://link.springer.com/article/10.1007/s10639-022-11188-0
12.https://hindi.nvshq.org/top-10-online-learning-plat